

संस्कृत सीखने के लिये बनाया ऑनलाइन गेम एप 'शास्त्रार्थ'

चर्चा में क्यों?

13 मार्च, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेज युइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय (ईसीसी) में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरुण्य मशिर ने संस्कृत सीखने के लिये ऑनलाइन गेम एप बनाया है, जिसे 'शास्त्रार्थ' नाम दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- शास्त्रार्थ एप न केवल खेल-खेल में संस्कृत सीखने बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये भी उपयोगी साबित होगा।
- संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरुण्य के निर्देशन में तैयार इस एप के जरिये संपूर्ण भारत के संस्कृत छात्रों के बीच आपस में गेम खेला जा सकता है। खेल के तीन प्रारूप हैं। तीनों प्रारूपों के लिये प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने के लिये 30 सेकेंड का समय मलिया।
- प्ले एलोन में जहाँ इसे केवल अकेले खेला जाएगा, वहीं प्ले वदि फ्रेंड्स एवं प्ले ऑनलाइन में दो व्यक्ति आपस में कहीं से भी इसे मोबाइल अथवा कंप्यूटर पर ऑनलाइन खेल सकेंगे। जो अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देगा, वह विजिता घोषित होगा। उत्तर बराबर होने पर कम समय में सही उत्तर देने वाला व्यक्ति विजिता घोषित होगा।
- गौरतलब है कि डॉ. आरुण्य मशिर ने छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतस्पर्धा के माध्यम से संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिये इस एप को तैयार किया गया है। इस गेम एप से संस्कृत के प्रतियोगी छात्रों में रूचि भी पैदा होगी।
- संस्कृत भाषा से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिये भी मददगार साबित होगा। खास तौर से इस एप का उद्देश्य यह भी है कि आर्थिक दृष्टि से कमजोर छात्र भी इस एप के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।
- डॉ. मशिर ने बताया कि एक और एप पर भी काम चल रहा है, जो युवा और कशिरावस्था के छात्रों को संस्कृत के प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक होगा।
- वदिति है कि संस्कृत भाषा से संबंधित ऑनलाइन गेम का इस तरह का यह पहला एप है। यह एप पूर्णतया नशुलक है।
- डॉ. आरुण्य मशिर ने बताया कि पाठ्यक्रम के अनुसार समय-समय पर एप को अपडेट भी किया जाएगा। वर्तमान में इस एप पर 2000 प्रश्नों का संकलन है। प्रतियोगी इसमें पुराने प्रश्नों के साथ 1000 नवीन प्रश्न जुड़ते जाएंगे।
- प्ले स्टोर पर 'शास्त्रार्थ' डालने पर इस एप को वहाँ से डाउनलोड किया जा सकता है।



